पत्रकारिता में राजनीति का प्रभाव खतरनाक-हुडडा

ओ आर सी। राष्ट्रीय पत्रकार संघ के 18 वें द्विवार्षिक महासम्मेलन में देशभर से आये पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुडडा ने कहा कि पत्रकार एक विवेकशील बुद्धिजीवी वर्ग है। खासकर जिन नेताओं ने गांधी, नेहरू आदि ने भारत को आजाद कराने में सहयोग दिया वे सभी पत्रकारिता के सजग प्रहरी थे। आज पत्रकारिता में जिस तरह राजनीति हावी हो रही है वह आने वाले समाज तथा पत्रकारिता दोनो के लिए हानिकारक है। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था के ओमशांति रीट्रिट सेन्टर में पत्रकारों के समक्ष कही।

आगे उन्होंने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का मजबूत स्तम्भ है। आज बदलाव का दौर है दुनियां छोटी होती जा रही है। हमें देश व दुनियां के साथ समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की जरूरत है। इसके लिए मीडिया अपनी मुख्य भूमिका निभा सकती है। आज मैदान में युद्ध प्रारम्भ होने से पहले मन में शुरू होते हैं। इसलिए दिमाग को रचनात्मक बनाने में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि एक ऐसी संस्था बनाई जाये जहाँ सीाी अपने गिले शिकवे दूर कर सके। अखबार की नीति केवल पैसा नहीं बल्कि उसका समाज पर क्या असर हो रहा है उसका भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

आज केवल भारत में अकेले दस करोड़ व्यक्ति समाचार पत्र पढ़ते हैं। इसलिए पत्रकारों को हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि समाचार पत्र में ऐसे कन्टेट प्रकाशित हो जिससे आने वाली पीढ़ी को नया संस्कार मिल सके। इसके साथ पुन: लोगों में देशभावना पैदा हो सके। उन्होंने मीडियाकर्मियों के बेहतरी के लिए दस लाख रूपये भी देने की घोषणा की।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए ओम शांति रीट्रिट सेन्टर की निदेशिका ब्र. कु. आशा ने कहा कि जिस तरह से हम शरीर को भोजन देते हैं ऐसे ही शरीर को चलाने वाली आत्मा को भी ज्ञान रूपी भोजन प्रदान करें। मीडिया की जिम्मेवारी है कि समाज को अच्छी दिशा दिखाने की, पास्ट प्रजेन्ट और फ्यूचर की की घटनाओं से लोगों को अवगत कराने की। मीडिया को हमेशा सच का साथ देना चाहिए और इसके लिए मीडिया को तपने और सहने की आवश्यकता होती है। इसलिए हमेशा हमें सच का साथ देकर सत्य धर्म की स्थापना करने में मददगार बनना चाहिए।

स्वागत गीत प्रीति ने प्रस्तुत किया तथा सभी मंचासीन अतिथियों ने दीप जलाकर कार्यक्रम का उदघाटन किया।